विस्तारित रूप-रेखा

I. संसार का अति प्राचीन इतिहास (1:1-11:32)

A. सृष्टि रचने का आरम्भ और समाप्ति (1:1-2:3)

1. "परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की ..." (1:1, 2)
2. पहला दिन: प्रकाश की सृष्टि हुई और उसे अन्धकार से अलग किया गया (1:3-5)
3. दूसरा दिन: जल को विस्तार के अनुसार अलग किया गया (1:6-8)
4. तीसरा दिन: भूमि, वनस्पति, और वृक्षों की सृष्टि हुई (1:9-13)
5. चौथा दिन: सूर्य, चन्द्रमा, और तारे आसमान में स्थित किए गए (1:14-19)
6. पाँचवाँ दिन: जल और आकाश जन्तुओं और पक्षियों से भर दिए गए (1:20-23)
7. छठवाँ दिन: जानवरों और मनुष्य की सृष्टि हुई (1:24-31)
   a. भूमि पर के जानवरों की सृष्टि (1:24, 25)
   b. परमेश्वर के स्वरूप में मनुष्य की सृष्टि (1:26-28)
   c. परमेश्वर का मनुष्य और जानवरों के लिए भोजन का प्रबंध (1:29, 30)
   d. परमेश्वर द्वारा सृष्टि की समीक्षा (1:31)
8. सातवाँ दिन: परमेश्वर ने अपनी सृष्टि से विश्राम किया (2:1-3)

B. वाटिका में पुरुष और स्त्री की सृष्टि (2:4-25)

1. "आकाश और धरती का वर्णन ..." (2:4)
2. अदन की वाटिका और पुरुष (2:5-7)
3. वाटिका में पुरुष का जीवन (2:8-17)
4. जानवरों में पुरुष के लिए कोई उपयुक्त सहायक नहीं (2:18-20)
5. पुरुष के लिए स्त्री की सृष्टि (2:21-25)

C. मनुष्य का पतन (3:1-24)

1. परीक्षा और पतन (3:1-7)
2. पतित जोड़े से परमेश्वर की भेंट (3:8-13)
3. पतन का परिणाम (3:14-19)
4. एक नया नाम और एक नया आवरण: आदम का विश्वास और परमेश्वर का अनुग्रह (3:20, 21)

5. वाटिका से निष्कासन (3:22-24)

D. वाटिका के बाहर आदम और हव्वा का परिवार (4:1-16)
   1. कैन और हाबिल का जन्म (4:1, 2)
   2. कैन और हाबिल के बलिदान और परमेश्वर का प्रत्युतर (4:3-7)
   3. कैन द्वारा अपने भाई हाबिल की हत्या (4:8-16)

E. दो वंशावलियाँ (4:17-26)
   1. कैन का परिवार और संस्कृति का आरम्भ (4:17-24)
   2. शेत और उसका परिवार (4:25, 26)

F. प्राक्कालीन कुलपति (5:1-32)
   1. सृष्टि और आशीष (5:1, 2)
   2. शेत से हनोक तक आदम का नया घराना (5:3-20)
   3. हनोक से नूह तक वंशावली (5:21-32)

G. महा जलप्रलय: विनाश और बचाव (6:1-22)
   1. मनुष्य की दुष्टता का वर्णन: परमेश्वर के पुत्र और मनुष्यों की पुत्रियाँ (6:1-4)
   2. मनुष्य की दुष्टता का सार और परमेश्वर का प्रदत्त न्याय (6:5-7)
   3. एक भ्रष्ट संसार से धर्मी नूह की तुलना (6:8-12)
   4. आसन्न जलप्रलय की घोषणा और बड़े जहाज़ के लिए परमेश्वर का प्रदत्त निर्देश (6:13-22)

H. जलप्रलय का आरम्भ (7:1-24)
   1. बड़े जहाज़ में प्रवेश करने की परमेश्वर की आज्ञा (7:1-10)
   2. जलप्रलय का आरम्भ (7:11-16)
   3. जल का बढ़ना और चोटी तक पहुँचना (7:17-24)

I. मानवता के लिए नया आरम्भ (8:1-22)
   1. जलप्रलय के जल का घटना (8:1-5)
   2. सूखी भूमि का दिखायी देना (8:6-14)
   3. बड़े जहाज़ को छोड़ने हेतु परमेश्वर की आज्ञा (8:15-19)
   4. संसार में पुनः जलप्रलय नहीं भेजने की परमेश्वर की प्रतिज्ञा (8:20-22)

J. नए संसार के लिए परमेश्वर के नियम और वाचा (9:1-29)
   1. नए संसार के लिए दिव्य प्रावधान (9:1-7)
   2. एक दिव्य वाचा और चिह्न (9:8-17)
   3. नूह का श्राप और आशीषें (9:18-29)

K. नूह के वंशज (10:1-32)
   1. नूह के वंश के अभिलेख की भूमिका (10:1)
   2. येपेत के पुत्र (10:2-5)
   3. हाम के पुत्र (10:6-20)

4. शेम के पुत्र (10:21-31)
5. नूह के पुत्रों के सम्बन्ध में सार कथन (10:32)

L. राष्ट्रों का विस्तार: भाषाओं की गड़बड़ी और वंशावलियाँ (11:1-32)
1. महिमा पाने के लिए एक बड़े मीनार का निर्माण (11:1-4)
2. मनुष्यों के घमण्ड पर परमेश्वर का दण्ड (11:5-9)
3. शेम का वंशिक परिवार (11:10-26)
4. तेरह का परिवार (11:27-32)

II. अब्राहम का वर्णन (12:1-25:18)

A. एक नया देश: कनान जाने के लिए अब्राहम की बुलाहट (12:1-20)
1. अब्राहम की बुलाहट (12:1-3)
2. दिव्य बुलाहट के प्रति अब्राहम का प्रत्युतर (12:4-9)
3. मिस्र में अब्राहम और सारा (12:10-20)

B. अब्राहम और लूत का अलगाव और प्रतिज्ञाओं का नवीकरण (13:1-18)
1. अब्राहम का कनान लौटना और लूत के साथ उसका झगड़ा
2. (13:1-7)
2. अब्राहम का उदार प्रस्ताव और लूत का निर्णय (13:8-13)
3. परमेश्वर द्वारा भूमि वाचा का नवीकरण और अब्राहम का प्रत्युत्तर (13:14-18)

C. युद्ध में अब्राहम की भागीदारी और दो राजाओं से मुलाकात (14:1-24)
1. राजाओं का युद्ध (14:1-12)
2. अब्राहम का लूत और दूसरे बंदियों को बचाना (14:13-16)
3. अब्राहम की दो राजाओं से मुलाकात (14:17-24)

D. अब्राहम के साथ परमेश्वर की भूमि वाचा (15:1-21)
1. ईश्वरीय प्रतिज्ञाएँ और विश्वास का प्रत्युत्तर (15:1-6)
2. एक वाचा के लिए तैयारी (15:7-11)
3. उस वाचा की एक नबूवत (15:12-16)
4. उस वाचा की पूर्णता (15:17-21)

E. हाजिरा और इश्माएल की कहानी (16:1-16)
1. अब्राहम के परिवार में दरार (16:1-6)
2. इश्माएल का जन्म (16:7-16)

F. अब्राहम के साथ परमेश्वर की राष्ट्र वाचा (17:1-27)
1. अब्राम के लिए नया नाम (17:1-8)
2. वाचा का चिह्न: खतना (17:9-14)
3. सारै के लिए नया नाम और इसहाक की प्रतिज्ञा (17:15-22)

4. वाचा का सुनिश्चित किया जाना: अब्राहम के घराने का खतना (17:23-27)

G. परमेश्वर की अब्राहम से मुलाकात (18:1-33)
   1. तीन स्वर्गिक अतिथियों के लिए अब्राहम का आतिथ्य (18:1-8)
   2. सारा, एक अविश्वासी मेज़बान (18:9-15)
   3. प्रभु और दो स्वर्गदूतों के बीच वार्तालाप (18:16-22)
   4. सदोम और अमोरा के लिए अब्राहम की मध्यस्थता (18:23-33)

H. सदोम और अमोर का विनाश (19:1-38)
   1. लोगों की दुष्टता का वर्णन (19:1-11)
   2. प्रभु की दया का प्रकटीकरण: लूत का बचाया जाना (19:12-22)
   3. प्रभु के न्याय का समापन (19:23-29)
   4. लूत का अपनी पुत्रियों के संग कौटुम्बिक व्यभिचार का अभिलेख (19:30-38)

I. गरार देश में अब्राहम और सारा: परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं की रक्षा
II. (20:1-18)
   1. अब्राहम का धोखा और अबीमेलेक की अज्ञानता (20:1-7)
   2. अबीमेलेक का अब्राहम के साथ समझौता (20:8-18)

J. इसहाक का जन्म (21:1-7)

K. इसहाक और इश्माएल के बीच तनाव (21:8-21)
   1. सारा की ईर्ष्या (21:8-14)
   2. हाजिरा को दिव्य प्रतिज्ञा (21:15-21)

L. अबीमेलेक के साथ अब्राहम की संधि (21:22-34)

M. अब्राहम के विश्वास की जाँच: अपने पुत्र इसहाक को बलिदान करने की बुलाहट (22:1-24)
   1. अब्राहम की विश्वासयोग्यता (22:1-14)
   2. परमेश्वर की प्रतिज्ञा का नवीकरण (22:15-19)
   3. अब्राहम के परिवार के विषय समाचार विवरण (22:20-24)

N. सारा की मृत्यु (23:1-20)
   1. सारा की मृत्यु और अब्राहम का विलाप (23:1, 2)
   2. अब्राहम का एक कब्रिस्तान खरीदना (23:3-16)
   3. मकपेला की गुफा में सारा का दफनाया जाना (23:17-20)

O. परमेश्वर के प्रबन्ध का प्रकटीकरण: इसहाक के लिए एक पत्नी (24:1-67)
   1. अब्राहम का अपने दास को निर्देश (24:1-9)
   2. मार्गदर्शन हेतु दास की प्रार्थना (24:10-14)
   3. कुएं पर रिबका का आगमन (24:15-27)

4. रिबका के परिवार की प्रतिक्रिया (24:28-33)
5. दास की कहानी (24:34-49)
6. यात्रा की सफलता (24:50-61)
7. इसहाक और रिबका का विवाह (24:62-67)

P. अब्राहम के अंतिम दिन (25:1-11)
1. कतूरा से अब्राहम का परिवार और इसहाक के लिए मीरास (25:1-6)
2. अब्राहम की मृत्यु और दफन (25:7-11)

Q. इश्माएल के वंशज (25:12-18)

III. इसहाक का वृत्तांत (25:19-28:9)

A. एसाव और याकूब का जन्म (25:19-26)

B. जन्म अधिकार के लिए याकूब का एसाव के साथ सौदा (25:27-34)

C. इसहाक का पलिश्तियों के बीच निवास (26:1-33)
1. गरार में (26:1-22)
a. इसहाक को परमेश्वर की प्रतिज्ञा (26:1-5)
b. अपनी पत्नी के सम्बन्ध में इसहाक का धोखा (26:6-11)
c. इसहाक के धन से पलिश्तियों की ईर्ष्या (26:12-17)
d. इसहाक के कुँओं के लिए पलिश्तियों से लड़ाई (26:18-22)
2. बेर्शेबा में (26:23-33)
a. बेर्शेबा में परमेश्वर का दर्शन (26:23-25)
b. अबीमेलेक के साथ इसहाक की संधि (26:26-33)

D. एसाव की हित्ती पत्नियों के लिए इसहाक और रिबका का दुःख (26:34, 35)

E. याकूब का एसाव की आशीषें चुराना (27:1-45)
1. इसहाक की आशीष के लिए साजिश और जवाबी साजिश (27:1-17)
3. धोखा खाने के बाद इसहाक का याकूब को आशीष देना
4. (27:18-29)
3. एसाव की आशीष श्राप के समान (27:30-40)
4. याकूब की हत्या करने हेतु एसाव की योजना (27:41-45)

F. हारान को जाने से पूर्व इसहाक का याकूब को निर्देश (27:46-28:5)

G. इसहाक को प्रसन्न करने हेतु एसाव का विलम्बित विवाह (28:6-9)

IV. याकूब का वृत्तांत (28:10-36:43)

A. बेतेल में याकूब: ईशदर्शन और संकल्प (28:10-22)

B. याकूब के विवाह (29:1-30)

1. याकूब का राहेल के साथ सामना (29:1-14)
2. लीया और राहेल के सम्बन्ध में लाबान का याकूब को धोखा देना (29:15-30)

C. लीया और राहेल के बीच प्रतिद्वंद्विता (29:31-30:24)
1. लीया के ज्येष्ठ पुत्र (29:31-35)
2. राहेल के दासियों के पुत्र (30:1-8)
3. लीया के दासियों के पुत्र (30:9-13)
4. दूदाफल के लिए सौदा और लीया के छोटे पुत्रों और पुत्री का जन्म (30:14-21)
5. राहेल का पुत्र (30:22-24)

D. पशुओं के झुंड के लिए याकूब का लाबान के साथ सौदा (30:25-43)
1. याकूब द्वारा जानवरों का बंटवारा (30:25-36)
2. याकूब की धूर्त युक्ति (30:37-43)

E. लाबान से याकूब और उसके परिवार की विदाई (31:1-55)
1. परमेश्वर का याकूब को आगे बढ़ने का आदेश (31:1-16)
2. याकूब का गुप्त प्रस्थान (31:17-21)
3. लाबान की तलाश और पूछताछ (31:22-35)
4. याकूब का अपने ससुर को क्रोधित उत्तर (31:36-42)
5. याकूब और लाबान के मध्य वाचा (31:43-55)

F. बीस वर्षों के बाद याकूब और एसाव का पुनः मिलन (32:1-33:17)
1. घर जाते समय याकूब की स्वर्गदूतों के साथ मुलाकात (32:1, 2)
2. एसाव से भेंट करने के लिए याकूब की तैयारी और परमेश्वर से उसकी प्रार्थना (32:3-12)
3. याकूब का चतुर रणनीति (32:13-21)
4. यब्बोक नदी के तट पर याकूब का स्वर्गदूत के साथ मल्लयुद्ध (32:22-32)
5. याकूब का एसाव के साथ मेल-मिलाप और उनका अलग होना (33:1-17)

G. याकूब और उसका परिवार शेकेम को जाते हैं (33:18-34:31)
1. उनकी यात्रा (33:18-20)
2. दीना का बलात्कार (34:1-7)
3. शेकेम के लोगों से याकूब के पुत्रों की मांग (34:8-17)
4. लोगों की सीधी सादी स्वीकृति (34:18-24)
5. शेकेम के लोगों की सामूहिक हत्या (34:25-31)

H. बेतेल को लौटना (35:1-15)
1. याकूब के परिवार का पवित्रीकरण: सभी पराए देवताओं का

अलग करना (35:1-4)
2. बेतेल की घटनाएँ: ईश दर्शन और परमेश्वर की आशीषों की पुनः पुष्टि (35:5-15)

I. बेतेल का परिणाम (35:16-29)
1. बिन्यामीन को जन्म देते समय राहेल की मृत्यु (35:16-21)
2. याकूब की रखेल के साथ रूबेन का कौटुम्बिक व्यभिचार (35:22)
3. याकूब के पुत्र (35:22-26)
4. इसहाक की मृत्यु (35:27-29)

J. एसाव के वंशज (36:1-43)
1. एसाव का मूल परिवार और नाती-पोते (36:1-14)
2. एसाव के वंशज के अधिपति (36:15-19)
3. होरी जाति के सेईर के अधिपतियों के पुत्र (36:20-30)
4. राजा और एदोम के अधिपति (36:31-43)

V. यूसुफ का वृत्तांत (37:1-50:26)

A. कनान देश में यूसुफ (37:1-36)
1. यूसुफ के युवावस्था के स्वप्न (37:1-11)
2. यूसुफ का अपने भाइयों को ढूंढना (37:12-17)
3. यूसुफ के भाइयों द्वारा उसका विश्वासघात (37:18-28)
4. भाइयों द्वारा याकूब को धोखा देना (37:29-36)

B. यहूदा और उसकी बहु तामार (38:1-30)
1. एक कनानी स्त्री से यहूदा का विवाह और उनके पुत्र (38:1-5)
2. तामार का दो पतियों के साथ दुर्भाग्य (38:6-11)
3. यहूदा का पाप और तामार का छल (38:12-23)
4. यहूदा का स्वीकार करना और तामार की पुष्टि (38:24-30)

C. पोतीपर के घर में दास के समान यूसुफ (39:1-23)
1. पोतीपर की सम्पत्ति पर यूसुफ का अध्यक्ष बनना (39:1-6)
2. पोतीपर की पत्नी का यूसुफ को बहकाने का प्रयास (39:6-18)
3. झूठे आरोपों के कारण यूसुफ को कैद (39:19-23)

D. बंदीगृह में यूसुफ (40:1-23)
1. फिरौन के अधिकारी भी कैद (40:1-8)
2. पिलानेहारे का स्वप्न और यूसुफ का अर्थ बताना (40:9-15)
3. पकानेहारे का स्वप्न और यूसुफ का अर्थ बताना (40:16-19)
4. स्वप्नों का पूर्ण होना (40:20-23)

E. फिरौन के रहस्यमय स्वप्न (41:1-57)
1. फिरौन के स्वप्नों का अर्थ बताने में ज्योतिषियों की विफलता (41:1-8)

2. साक़ी द्वारा यूसुफ को स्मरण करना (41:9-13)
3. फिरौन का अपने स्वप्नों का अर्थ बताने हेतु यूसुफ को बुलाना (41:14-32)
4. यूसुफ की बुद्धिमान योजना (41:33-36)
5. यूसुफ को फिरौन का ईनाम (41:37-45)
6. सुकाल के सात वर्षों में यूसुफ की तैयारी (41:46-49)
7. मिस्र में यूसुफ के सन्तान (41:50-52)
8. अकाल के सात वर्षों में यूसुफ का प्रबन्ध (41:53-57)

F. मिस्र में यूसुफ के भाई (42:1-38)
1. अन्न खरीदने के लिए मिस्र की यात्रा (42:1-5)
2. मिस्र में यूसुफ से भाइयों की मुलाकात (42:6-17)
3. भाइयों के मिस्र छोड़ने से पूर्व एक जमानत की मांग (2:18-25)
4. भाई लोग अन्न के साथ किन्तु शिमोन के बगैर घर लौटते हैं (42:26-34)
5. स्थिति के प्रति याकूब की प्रतिक्रिया (42:35-38)

G. भाई मिस्र लौटते हैं (43:1-34)
1. बिन्यामीन को मिस्र जाने देने के लिए याकूब से यहूदा का आग्रह (43:1-15)
2. यूसुफ के अधिकारी से भाइयों का आग्रह (43:16-25)
3. यूसुफ और भाइयों का एक साथ भोजन करना (43:26-34)

H. बिन्यामीन जोखिम में (44:1-34)
1. चाँदी के कटोरे की घटना (44:1-17)
2. यहूदा की यूसुफ से निस्वार्थ दलील (44:18-34)

I. यूसुफ का अपने भाइयों के साथ पुनर्मिलन (45:1-28)
1. यूसुफ का अपने भाइयों के सामने खुलासा (45:1-15)
2. फिरौन का परिवार को मिस्र आने हेतु निमंत्रण (45:16-20)
3. यूसुफ का प्रबन्ध और उसके भाइयों का याकूब के पास लौटना (45:21-28)

J. याकूब के परिवार का मिस्र में स्थानान्तरण (46:1-47:12)
1. बेर्शेबा में याकूब को परमेश्वर की सांत्वना और मिस्र की ओर यात्रा (46:1-7)
2. याकूब की वंशावली (46:8-27)
3. यूसुफ द्वारा याकूब और उसके परिवार का स्वागत (46:28-34)
4. फिरौन के समक्ष यूसुफ का परिवार और गोशेन में उनका प्रबंध (47:1-12)

K. अकाल का जारी रहना (47:13-26)
1. मायूस लोग (47:13-19)

2. यूसुफ द्वारा एक नया शाही कर-निर्धारण स्थापित (47:20-26)

L. याकूब का अंतिम समय (47:27-48:22)
   1. याकूब का मकपेला की गुफा में उसको मिट्टी देने का आग्रह (47:27-31)
   2. याकूब का यूसुफ के दोनों बेटों का बारहों में स्थापन (48:1-7)
   3. एप्रैम और मनश्शे को आशीष देना (48:8-22)

M. याकूब का अपने पुत्रों को आखिरी आशीषें देना (49:1-27)
   1. सुनने हेतु आह्वान (49:1, 2)
   2. लीया के पुत्र (49:3-15)
   3. दासियों के पुत्र (49:16-21)
   4. राहेल के पुत्र (49:22-27)

N. याकूब की मृत्यु और दफनाया जाना (49:28-50:14)
   1. याकूब की मृत्यु (49:28-33)
   2. कनान में याकूब का दफनाया जाना (50:1-14)

O. यूसुफ के अंतिम दिन (50:15-26)
   1. अपने भयभीत भाइयों को यूसुफ का पुनः आश्वासन (50:15-21)
   2. यूसुफ का दफन सम्बन्धी निर्देश और उसकी मृत्यु (50:22-26)